एक नजर में

ऑनलाइन कार्यक्रमों से योग के लिए कर रहे प्रेरित

इंदौर. मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाय), आयुष मंत्रालय ने हैबिल्ड भारत का पहला हैबिट-बिल्डिंग प्लेटफ़ॉर्म के साथ एक समझौता किया है. इस साझेदारी के तहत अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 से पहले एक राष्ट्रव्यापी डिजिटल योग पहल शुरू की गई है. इस सहयोग का उद्देश्य देशभर के नागरिकों को संरचित और सुलभ ऑनलाइन कार्यक्रमों के माध्यम से योग को एक सरल रोज़ाना की आदत बनाने के लिए प्रेरित करना है. योग 365 पहल के तहत, हैबिल्ड और एमडीएनआईवाय, आयुष मंत्रालय ने (मार्च 2026 में) एक बड़े पैमाने पर डिजिटल योग मूवमेंट शुरू किया, जो 21 जून 2026 तक चलेगा. इस पहल का उद्देश्य लोगों को लगातार 100 दिनों तक रोज़ाना योग करने के लिए प्रेरित करना है. अब तक 4 लाख से अधिक सक्रिय प्रतिभागी 130+ देशों और भारत के हर राज्य व केंद्र शासित प्रदेश से जुड़ चुके हैं, और 21 जून तक यह संख्या कई गुना बढ़ने की उम्मीद है। हैबिल्ड के सह-संस्थापक सौरभ बोथरा ने कहा, योग तब रूपांतरकारी बनता है जब यह कभी-कभार की गतिविधि से आगे बढ़कर शांत रोज़ाना का अनुशासन बन जाता है. एमडीएनआईवाय, आयुष मंत्रालय के साथ इस सहयोग के ज़रिए हम लोगों के लिए एक सरल रास्ता बनाना चाहते हैं, जिससे वे इस रिश्ते को फिर से शुरू कर सकें और बनाए रख सकें.

कॉर्टेवा ने धान की फसल के लिए पेश किया मैविलॉन

इंदौर. फसलों को कीटों से सुरक्षित करने का समाधान पेश करते हुए, कॉर्टेवा ने मैविलॉन लॉन्च किया है. मैविलॉन एक नई ग्रेन्युलर इंसेक्टिसाइड तकनीक है, जिसे धान की फसल में कीट नियंत्रण को नुकसान होने के बाद के बजाए पहले से रोकथाम करने यानि रिएक्टिव से प्रोएक्टिव बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है. धान उगाने वाले कई क्षेत्रों में किसान लंबे समय से कीटों की गंभीर समस्या का सामना कर रहे हैं. ब्राउन प्लांट हॉपर (बीपीएच) और स्टेम बोरर जैसे कीट फसल को काफी नुकसान पहुँचाते हैं, जिससे उत्पादन कम होता है और अनाज की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है. मैविलॉन को रोपाई के 30 से 35 दिनों बाद केवल एक बार इस्तेमाल करना होता है. यह फसल में नुकसान दिखाई देने से पहले ही सुरक्षा देना शुरू कर देता है. इसकी खास ग्रेन्युलर फॉर्मूलेशन बीपीएच के खिलाफ 60 दिनों तक और स्टेम बोरर के खिलाफ 15 दिनों तक सुरक्षा देती है. यह फसल के उन महत्वपूर्ण चरणों में सुरक्षा देने में मदद करता है, जब उत्पादन पर सबसे ज्यादा असर पड़ सकता है। शुरुआती स्तर पर ही कीट नियंत्रण करके मैविलॉन किसानों को समस्या बढ़ने से पहले ही तैयार रहने में मदद करता है.

आइस मेक का चौथी तिमाही का राजस्व 256 करोड़ पहुंचा

इंदौर. आइस मेक रेफ्रिजरेशन लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही और पूरे वर्ष के लिए मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए अब तक का सर्वाधिक तिमाही राजस्व हासिल किया है. पूरे वित्तीय वर्ष 2026 में कंपनी का समेकित राजस्व बढ़कर 668.20 करोड़ हो गया, जो वित्तीय वर्ष 25 के 479.52 करोड़ की तुलना में 39.3% अधिक है पर कंपनी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर चंद्रकांत पी. पटेल ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026 आइस मेक के लिए परिवर्तन और भविष्य की तैयारी का वर्ष रहा. कंपनी ने विनिर्माण क्षमता, उत्पाद पोर्टफोलियो, वितरण नेटवर्क और नेतृत्व विकास में महत्वपूर्ण निवेश किए हैं, जो आने वाले वर्षों में विकास और लाभप्रदता को गति देंगे. वहीं, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एम. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि चेस्ट फ्रीजर, विजी कूलर और कंटीन्यूअस पैनल जैसे नए उत्पाद भविष्य में कंपनी के प्रमुख विकास इंजन बनने की क्षमता रखते हैं. कंपनी का समेकित परिचालन राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 255.85 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के ?180.35 करोड़ की तुलना में 41.8% अधिक है

नि:संतानता के लिए आधुनिक विज्ञान में प्रभावी उपचार

इंदौर. इंदौर में ओएसिस फर्टिलिटी में फर्टिलिटी एवं आईवीएफ विशेषज्ञ के रूप में कार्यरत डॉ. रुद्री अग्रवाल बताती हैं कि संतान प्राप्ति का सपना हर दंपत्ति के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है, लेकिन जब महीनों या वर्षों तक प्रयास करने के बावजूद गर्भधारण नहीं हो पाता, तब यह केवल एक चिकित्सकीय समस्या नहीं रह जाती, बल्कि भावनात्मक, मानसिक और सामाजिक तनाव का कारण बन जाती है. हमारे समाज में आज भी नि:संतानता को लेकर अनेक भ्रांतियाँ और संकोच मौजूद हैं, जिसके कारण कई दंपत्ति समय पर विशेषज्ञ से सलाह नहीं ले पाते. यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि बांझपन कोई अभिशाप, भाग्य का दोष या सामाजिक कलंक नहीं है, बल्कि एक चिकित्सकीय स्थिति है जिसका आधुनिक विज्ञान में प्रभावी निदान और उपचार उपलब्ध है. यदि किसी महिला की आयु 35 वर्ष से कम है और एक वर्ष तक नियमित वैवाहिक जीवन के बावजूद गर्भधारण नहीं हुआ है, अथवा महिला की आयु 35 वर्ष से अधिक है और छह महीने के प्रयासों के बाद भी सफलता नहीं मिली है, तो फर्टिलिटी विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए. यदि आप भी गर्भधारण में कठिनाई का सामना कर रहे हैं, तो संकोच या निराशा में समय व्यर्थ न करें. पहला कदम उठाइए, विशेषज्ञ से मिलिए और वैज्ञानिक उपचार का लाभ उठाइए.

टैली एमएसएमई ऑनर्स के छठे संस्करण की घोषणा

इंदौर. टैली सोल्युशन्स ने अपनी मुख्य सालाना पहल 'टैली एमएसएमई ऑनर्स' के छठे संस्करण के लॉन्च की घोषणा की है. पिछले छह सालों के दौरान टैली एमएसएमई ऑनर्स एक ग्लोबल प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित हुआ है, जिसने विभिन्न सेक्टरों एवं भोगौलिक क्षेत्रों में इनोवेशन, रोज़गार एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाले उद्यमियों एवं छोटे बिज़नसेज़ को सम्मानित किया है. इच्छुक बिज़नसेज़ या ऐसे बिज़नसेज़ को जानने वाले लोग 15 जून, 2026 तक अपनी प्रविष्टियां जमा कर सकते हैं. इस साल 20,000 नामांकन आने की उम्मीद है और विजेताओं को इंटरनेशनल एमएसएमई डे यानि 27 जून 2026 को सम्मानित किया जाएगा. मिस जयति सिंह, चीफ़ बिज़नेस ऑफिसर, टैली सोल्युशन्स ने कहा पिछले कुछ सालों में, हमने एमएसएमई को बेहद अनुकूलित एवं विकास-उन्मुख बिज़नसेज़ के रूप में उभरते देखा है, जो नए मार्केट्स में विस्तार कर रहे हैं, टेक्नोलॉजी आधारित बदलावों को अपना रहे हैं, तथा अपने आस-पास मजबूत बिज़नेस इकोसिस्टम बना रहे हैं. टैली एमएसएमई ऑनर्स के ज़रिए, हम इन बिज़नसेज़ को पहचान देना चाहते हैं और उन कहानियों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाना चाहते हैं, जो एमएसएमई इकोसिस्टम की बढ़ती ताकत और उद्यमिता की भावना को दर्शाती हैं.

आईपीएल के माहौल में तारक मेहता का जलवा बरकरार

इंदौर. आईपीएल के शोर-शराबे और रोमांच के बीच भी 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' ने दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह कायम रखी है। देश का सबसे लंबे समय से चल रहा यह लोकप्रिय कॉमेडी शो पिछले एक महीने से लगातार हल्के-फुल्के, मजेदार और उत्सुकता से भरपूर ट्रैक्स के जरिए लोगों का मनोरंजन कर रहा है. सोसायटी में होने वाली छोटी-छोटी घटनाओं को हास्य और भावनाओं के साथ पेश करने की इसकी शैली हर उम्र के दर्शकों को जोड़कर रखती है. ऑरमैक्स स्ट्रीमव्यू की 18 से 24 मई 2026 की रैंकिंग के मुताबिक, असित कुमार मोदी का 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' भारत में ओटीटी पर सबसे ज्यादा देखे जाने वाले कार्यक्रमों में दूसरे स्थान पर रहा. 4.2 मिलियन दर्शकों के साथ यह शो आईपीएल 2026 के बाद दूसरे नंबर पर रहा और कई बड़े ओटीटी शोज़ व फिल्मों को पीछे छोड़ दिया. यह उपलब्धि इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि आईपीएल जैसे बड़े लाइव स्पोर्ट्स इवेंट के दौरान भी इस शो ने अपनी मजबूत दर्शक संख्या बनाए रखी है. हाल के दिनों में शो का तरबूज ट्रैक दर्शकों के बीच खूब चर्चा में रहा.

छोटी यात्राएं पसंद कर रही है जेन जेड पीढ़ी

इंदौर. भारत की जेन जेड पीढ़ी यात्रा के पारंपरिक तौर-तरीकों को बदल रही है. साल में एक लंबी छुट्टी के बजाय, अब यह पीढ़ी अपनी पसंद और अचानक बनने वाले प्लान के अनुसार यात्राओं को तरजीह दे रही है. एयरबीएनबी की नई रिपोर्ट नेवर द सेम- द न्यू रूल्स ऑफ जेन जेड ट्रेवल इन इंडिया के अनुसार, जेन जेड के लिए यात्रा केवल घूमने-फिरने का साधन नहीं, बल्कि अपनी पहचान और व्यक्तित्व को अभिव्यक्त करने का माध्यम बन चुकी है. एयरबीएनबी के भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के कंट्री हेड अमनप्रीत बजाज ने कहा जेन जेड के लिए यात्रा जितनी नई जगहों और अनुभवों को खोजने का माध्यम है, उतनी ही खुद को अभिव्यक्त करने का भी जरिया है. यही बात उन्हें सबसे अधिक सोच-समझकर और उद्देश्यपूर्ण तरीके से यात्रा करने वाला यात्री वर्ग बनाती है. इस पीढ़ी की खासियत यह नहीं है कि वे कितनी बार यात्रा करते हैं, बल्कि यह है कि वे यात्रा क्यों करते हैंताकि वे खुद को और बेहतर ढंग से महसूस कर सकें. एयरबीएनबी पर हम देख रहे हैं कि इस पीढ़ी के लिए यात्रा उनके जीवन के सबसे व्यक्तिगत फैसलों में से एक बन गई है. एयरबीएनबी इसी बदलती सोच और यात्रा शैली के अनुरूप बना है. यह बदलाव भारत को नए नजरिए से देखने, समझने और खोजने के अवसरों का एक नया अध्याय खोल रहा है.

90 किलोमीटर की रफ्तार से चली आंधी, कई पेड़ उखड़े

- धूल भरी हवाएं भी चलीं, शहर हुआ अस्त-व्यस्त
- कई जगह बिजली के तार टूटे, कई घंटों तक बंद रही बिजली

नव भारत न्यूज

इंदौर. सोमवार शाम करीब 4 से 4.30 बजे के बीच 90 किलोमीटर की रफ्तार से चली आंधी के कारण शहर अस्त व्यस्त हो गया. 15 मिनट चले आंधी तूफान के दौरान हल्की बारिश भी हुई, लेकिन तूफान से स्थिति यह हो गई कि शहर में करीब ढाई सौ से ज्यादा पेड़ उखड़ गए. इस वजह से शहर के अधिकांश इलाकों में बिजली कई घंटों तक बंद रही.

जैसा कि मौसम विभाग का पूर्वानुमान था कि नो तपा के आखरी दिनों में मानसून पूर्व की बारिश और आंधी तूफान आ सकता है, वैसा ही आज शहर में हुआ भी। आज शाम शहर में 4 से 4.30 के बीच जमकर आंधी तूफान आया. करीब 50 से लेकर 93 किलोमीटर के रफ्तार से चली हवाओं ने शहर को अस्त व्यस्त कर दिया. इस दौरान पूरे शहर में जमकर चली आंधी के कारण जो जहां था वहीं रुक गया. करीब शहर के अधिकाश इलाकों में वाहन

चालकों की स्थिति खराब हो गई और वे सड़कों पर एक तरफ सुरक्षित खड़े नजर आए. बताया जा रहा है कि शहर में करीब 250 ज्यादा पेड़ उखड़ गए. पेड़ गिरने से कई सड़कों पर

यातायात जाम हो गया. सबसे ज्यादा शहर के बंगाली चौराहा, खातीपुरा, खजराना, विजय नगर में आंधी तूफान का असर ज्यादा था. वैसे शहर के सभी क्षेत्रों में तेज हवा चलने और

हल्की बारिश होने की पुष्टि हुई है. आंधी के बाद मौसम खुशगवार हो गया. हल्की बारिश और तापमान में गिरावट से लोगों ने गर्मी की तपन एवं उमस से राहत महसूस की.

करीब तीन घंटे तक गुल रही बिजली

शहर में अभी मौसम की बारिश शुरू नहीं हुई है और बिजली विभाग के बारिश पूर्व संधारण की पोल खुल गई. शहर के अधिकांश इलाकों में तीन घंटे तक बिजली सप्लाई बंद रही. हालांकि जानकारी मिली है कि आंधी से खातीपुरा में 11 केवी लाइन पर पेड़ गिरने से बिजली सप्लाई बंद हो गई. शहर में चारों तरफ बिजली बंद रही, करीब 4.15 बजे बंद हुई बिजली सप्लाई करीब तीन घंटे बाद 7.30 बजे तक बहाल हुई.

कहां क्या हुआ....

- बजाज खाना बिजली ग्रिड पर नीम का पेड़ गिरा
- विजय नगर में यातायात सिग्नल उखड़ा
- महालक्ष्मी नगर में बिजली आई केबल तारों पर पाम का पेड़ अटका
- एलआईजी गुरुद्वारे के पास पेड़ गिरा
- विजय नगर में सर्विस रोड पर पेड़ गिरा
- खातीपुरा में 11 केवी लाइन पर पेड़

50 बसों की जांच में दो गंभीर अनियमितताएं उजागर

- आखिर आरटीओ की निगरानी कहां थी

नवभारत न्यूज

इंदौर. संभागीय आरटीओ उड़नदस्ता द्वारा हाल ही में चलाए गए वाहन जांच अभियान में दो बसों के खिलाफ की गई कार्रवाई ने परिवहन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. जांच में एक बस बिना वैध परमिट के ललितपुर से इंदौर तक संचालित होती मिली, जबकि दूसरी बस मुंबई-इंदौर के अस्थायी परमिट पर नागपुर से इंदौर तक यात्रियों का परिवहन कर रही थी.

सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी लंबी दूरी तक नियमों का उल्लंघन कर रही ये बसें आखिर विभागीय निगरानी से कैसे बचती रहीं यदि आरटीओ का नियमित निरीक्षण और निगरानी तंत्र प्रभावी है, तो ऐसी बसों का संचालन लंबे समय तक जारी रहना अपने आप में कई प्रश्न खड़े करता है. कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर रेडिसन चौराहा, तीन इमली चौराहा और नेमावर रोड पर 50 से अधिक बसों की जांच की गई. कार्रवाई के दौरान दोनों बसों पर 50-50 हजार रुपए

का जुर्माना लगाकर कुल 1 लाख रुपए की वसूली की गई. फिलहाल, यह कार्रवाई जहां विभाग की सक्रियता को दर्शाती है, वहीं यह भी संकेत देती है कि परिवहन व्यवस्था में निगरानी और प्रवर्तन तंत्र को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है, ताकि सड़कों पर नियमों की अनदेखी कर रहे वाहन समय रहते पकड़े जा सकें. आरटीओ अधिकारी प्रदीप शर्मा ने बताया कि अभियान के दौरान परमिट, फिटनेस, बीमा, फायर एक्सटिंग्विशर और फर्स्ट एड बॉक्स सहित अन्य सुरक्षा मानकों की जांच की गई. विभाग का कहना है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी.

गर्मी में कटौती, बारिश में अंधेरा, कब सुधरेगी बिजली व्यवस्था?

- मेंटेनेंस के दावों की फिर खुली पोल

नवभारत न्यूज

इंदौर. सोमवार शाम तेज आंधी और बारिश का दौर शुरू होते ही शहर के कई हिस्सों में अंधेरा छा गया. कहीं घरों की लाइटें बुझ गईं तो कहीं बाजारों की रौनक थम गई. उमस और गर्मी से परेशान लोग बिजली का इंतजार करते रहे, जबकि बिजली कंपनी के मेंटेनेंस और तैयारियों के दावे हवा में उड़ते नजर आए.

बिजली कंपनी के अनुसार करीब 40 स्थानों पर 33 केवी लाइनों और पोलों के पास पेड़ तथा बड़ी शाखाएं गिरने से आपूर्ति प्रभावित हुई. लेकिन सवाल यह है कि यदि मानसून पूर्व मेंटेनेंस और पेड़ों की छंटाई का काम समय पर किया गया था, तो मामूली प्राकृतिक व्यवधान भी शहर की बिजली व्यवस्था को क्यों हिला गया. शहर के कई इलाकों में घंटों बिजली गुल रहने से लोग घरों में पसीने से तरबतर रहे. इनवर्टर जवाब देने लगे, पानी की मोटरें बंद हो गईं

और छोटे व्यवसाय प्रभावित हुए. कई क्षेत्रों में बार-बार बिजली आने-जाने का सिलसिला भी चलता रहा, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई. गौरतलब है कि पिछले कई महीनों से गर्मी के दौरान मेंटेनेंस के नाम पर अलग-अलग क्षेत्रों में बिजली कटौती की जा रही थी. तब दावा किया गया था कि नेटवर्क को मजबूत बनाया जा रहा है ताकि बारिश और आंधी के मौसम में परेशानी न हो. सोमवार की स्थिति ने इन दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं.

बड़े पेड़ों के गिरने से हुआ व्यवधान

बिजली विभाग के अधिकारी अवधेश ने बताया कि विभाग द्वारा समय-समय पर मेंटेनेंस का कार्य किया जाता है. हालांकि हाल ही में बड़े पेड़ों के गिरने के कारण कुछ व्यवधान उत्पन्न हुए. उन्होंने बताया कि मेंटेनेंस के दौरान लाइन से लगभग 5 फीट नीचे तक पेड़ों की छंटाई की जाती है, ताकि बिजली आपूर्ति सुचारू बनी रहे. इसके बावजूद तेज हवा और पेड़ों के गिरने से लाइनों को नुकसान पहुंचा, जिससे सुधार कार्य में समय लगा. अधिकारी के अनुसार, यदि नियमित मेंटेनेंस समय पर न किया जाए तो बिजली बहाली में और अधिक समय लग सकता है. इस दौरान सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रभावित क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति बंद कर दी जाती है, ताकि मरम्मत कार्य सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से पूरा किया जा सके.

दो हजार शिकायतों का निराकरण

बिजली कंपनी का कहना है कि करीब 800 कर्मचारियों को मैदान में उतारा गया और दो हजार से अधिक शिकायतों का निराकरण किया गया. अधिकारियों ने कंट्रोल सेंटर से लगातार निगरानी भी की. इसके बावजूद उपभोक्ताओं का सवाल है कि यदि व्यवस्था इतनी चुस्त थी, तो शहर के अनेक हिस्सों में लंबे समय तक अंधेरा क्यों पसरा रहा. आंधी तो कुछ मिनटों की थी, लेकिन उसने बिजली व्यवस्था की तैयारियों और दावों की वास्तविकता जरूर उजागर कर दी. सवाल यह कि हर साल होने वाले मेंटेनेंस पर खर्च और दावों के बावजूद बिजली नेटवर्क आखिर कब तक मौसम के एक झोंके के सामने बेबस नजर आता रहेगा.

26 जून तक मेट्रो का लोकार्पण नहीं किया तो दोबारा लेनी होगी अनुमति

नव भारत न्यूज

इंदौर. इंदौर मेट्रो के नए रूट पर संचालन की दिल्ली से अनुमति मिले दो माह से ज्यादा हो गए है. इस महीने की 26 जून के पहले सरकार ने लोकार्पण नहीं किया, तो दिल्ली मेट्रो रेल सीएमआरएस द्वारा जारी अनुमति की वैधता खत्म हो जाएगी. इसके बाद फिर नए सिरे से सीएमआरएस की रेल सेफ्टी ऑडिट और सभी स्टेशनों का निरीक्षण एवं तकनीकी जांच करना होगी. इससे मेट्रो का दूसरे चरण का संचालन और दो महीने आगे बढ़ सकता है. इंदौर में गांधी नगर से मालवीय नगर चौराहे तक मेट्रो रेल चलाने का रास्ता साफ हो गया था. मेट्रो रेल के व्यवसायिक संचालन की चीफ कमिश्नर मेट्रो रेल सुरक्षा ने 26 मार्च को अनुमति दे दी है. सीएमआरएस के दिल्ली से जारी अनुमति को दो महीने से ज्यादा समय हो गया है. मतलब यह है कि मेट्रो दूसरे चरण के 11.5 किलोमीटर व्यवसायिक संचालन करने के सिर्फ 25 दिन बचे हैं. इसके साथ ही शहर में 17.5 किलोमीटर एलिवेटेड कॉरिडोर पर मेट्रो शुरू नहीं होने से आम जनता को मेट्रो का लाभ नहीं मिल पा रहा है. ध्यान रहे कि मेट्रो रेल के दूसरे चरण में सुपर कॉरिडोर-02 से मालवीय नगर चौराहे तक 11.5 किलोमीटर लंबी लाइन का काम पूरा हो गया है. उक्त दूसरे चरण में 11 मेट्रो स्टेशन का निर्माण भी किया गया है. मेट्रो प्राथमिक कॉरिडोर के दूसरे चरण का सत्यापन मेट्रो रेल कमिश्नर सुरक्षा ने 15 से 18 मार्च एक बीच किया था. सीएमआरएस कार्यालय दिल्ली से इंदौर मेट्रो कार्यालय को 26 मार्च को मेल के जरिए अनुमति मिल गई थी.

1 जून हो गई है और मेट्रो रेल दूसरे चरण में सुपर कॉरिडोर 02 से लेकर मालवीय नगर चौराहे तक मेट्रो के व्यवसायिक संचालन का इंतजार में हैं. यदि सरकार ने 26 जून के पहले दूसरे चरण का व्यवसायिक संचालन का लोकार्पण नहीं किया, तो फिर से स्थानीय मेट्रो को व्यवसायिक संचालन के लिए सीएमआरएस को बुलाना पड़ेगा. सीएमआरएस से दुबारा समय लेना कठिन कार्य है, क्योंकि पूरे डेढ़ की अनुमति और संचदलन के निरीक्षण और जांच का काम उनके जिम्मे है. इस में कोई जरूरी नहीं कि सीएमआरएस इंदौर मेट्रो के संचालन के लिए तुरंत या जल्दी समय दे दे.

रोजगार मेले में 113 युवाओं को मिला रोजगार

इंदौर. जिला रोजगार कार्यालय द्वारा सोमवार को रोजगार मेले (युवा संगम कार्यक्रम) का आयोजन किया गया. इस युवा संगम कार्यक्रम में कुल 11 कंपनियों द्वारा 113 युवाओं का चयन रिक्त पदों की पूर्ति हेतु किया गया. जिला रोजगार कार्यालय के उप संचालक पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि इस रोजगार मेले में कुल 237 उम्मीदवारों ने पंजीयन कराया था, जिसमें से कुल 172 युवक एवं 65 युवतियों शामिल है. कुल 113 आवेदकों का प्रारंभिक रूप से फार्मासिस्ट, एचआर, सेल्स एक्जीक्यूटिव, सहायक प्रबंधक, डिजिटल मार्केटिंग, ऑपरेटर आदि पदों के लिए चयन किया गया.

डेली कॉलेज मामले में बड़ा फैसला, एसएलपी वापस ली, प्रशासनिक स्थिति मजबूत

- सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद डेली कॉलेज को मिली कानूनी मजबूती

नवभारत न्यूज

इंदौर. डेली कॉलेज से जुड़े लंबे समय से चल रहे विवादों और न्यायिक चुनौतियों के बीच संस्था को सर्वोच्च न्यायालय से महत्वपूर्ण कानूनी स्थिति संबंधी स्पष्टता प्राप्त हुई है. 1 जून 2026 को विक्रम खंडेलवाल द्वारा दायर स्पेशल लीव पिटीशन एसएलपी पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय की खंडपीठ, जिसमें माननीय न्यायमूर्ति बी.वी. नरसिम्हा एवं माननीय न्यायमूर्ति अरविंद कुमार शामिल थे, ने मामले में टिप्पणी की.

सुनवाई के दौरान न्यायालय ने स्पष्ट किया कि डेली कॉलेज के पूर्व छात्र एल्युमिनाई अथवा ओल्ड डेलियन्स को संस्था के प्रशासनिक संचालन में प्रत्यक्ष हस्तक्षेप या संचालनात्मक अधिकार प्राप्त नहीं हैं. इस टिप्पणी के बाद याचिकाकर्ता पक्ष ने अपनी एसएलपी वापस लेने का अनुरोध किया, जिसे न्यायालय ने स्वीकार करते हुए याचिका को निरस्त कर दिया. कानूनी जानकारों के अनुसार यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि पिछले कुछ समय से डेली कॉलेज के प्रशासनिक ढांचे, बोर्ड की वैधानिकता तथा संचालन व्यवस्था को लेकर विभिन्न मंचों पर सवाल उठाए जा रहे थे. न्यायालय की यह टिप्पणी इस बात को स्पष्ट करती है कि किसी भी शैक्षणिक संस्था का संचालन उसके विधिसम्मत संवैधानिक ढांचे और स्थापित प्रशासनिक तंत्र के अंतर्गत ही होता है. डेली कॉलेज की ओर से इस मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता विजय आसुधानी एवं रक्षित आसुधानी ने पक्ष रखा. उन्होंने न्यायालय के समक्ष कॉलेज की प्रशासनिक और संवैधानिक स्थिति को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया. उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व मध्यप्रदेश हाईकोर्ट द्वारा भी डेली कॉलेज से संबंधित विभिन्न याचिकाएं खारिज की जा चुकी हैं. साथ ही लोकतांत्रिक चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से संस्था में नया बोर्ड गठित हो चुका है.

भविष्य की दिशा के लिए महत्वपूर्ण निर्णय

डेली कॉलेज से जुड़े वरिष्ठ सदस्यों ने इस घटनाक्रम को संस्था की 155 वर्ष पुरानी गरिमा, स्वायत्तता और प्रशासनिक स्थिरता की पुनर्पुष्टि बताया है. उनका कहना है कि बीते समय में संस्था को लेकर विभिन्न स्तरों पर भ्रम और विवाद उत्पन्न करने के प्रयास हुए, लेकिन हर वैधानिक मंच पर तथ्य और विधिक स्थिति ही स्थापित हुई है. कॉलेज समुदाय ने इस निर्णय को संस्था की स्थिरता, पारदर्शी प्रशासन और भविष्य की दिशा के लिए महत्वपूर्ण बताया है. उनका मानना है कि अब संस्था को उसके मूल उद्देश्य- उत्कृष्ट शिक्षा, नेतृत्व निर्माण और वैश्विक प्रतिष्ठा- पर और अधिक मजबूती से केंद्रित होना चाहिए.

एक नजर में — लगातार हो रही पेड़ों की कटाई के विरोध में प्रदर्शन, कट चुके बगीचों और पेड़ों को दी श्रद्धांजलि

शहर में हरियाली बचाने पर्यावरण प्रेमियों ने बनाई मानव श्रृंखला

नवभारत न्यूज़

इंदौर. शहर में लगातार हो रही पेड़ों की कटाई और हरियाली के नुकसान के विरोध में रविवार को पर्यावरण प्रेमी नागरिकों ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया. कार्यक्रम का शुभारंभ शनि धाम संस्थान के महामंडलेश्वर परम पूज्य दादू महाराज गजासीन के करकमलों से हुआ.

इस अवसर पर नागरिकों ने मानव श्रृंखला बनाकर कट चुके बगीचों और पेड़ों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शहर की हरियाली बचाने का संकल्प लिया. पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के

उद्देश्य से उपस्थित लोगों ने मां अहिल्या की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और ज्ञापन का वाचन किया. ज्ञापन में शहर की पर्यावरणीय शुचिता, पर्यावरण सुरक्षा तथा सुनियोजित एवं संतुलित विकास की मांग की गई. ज्ञापन की प्रतियां जिलाधीश, नगर निगम आयुक्त तथा इंदौर जिला पंचायत को प्रेषित की जाएंगी. कार्यक्रम में अभय जैन, संदीप खानवलकर, डॉ. सुभाष बारोट, डॉ. शंकरलाल गर्ग, डॉ. ओ.पी. जोशी, डॉ. दिलीप वाघेला, शेखर गिरी, गोलाने जी, इंटक अध्यक्ष श्याम सुंदर यादव सहित अनेक पर्यावरण प्रेमी, कार्यकर्ता एवं मातृशक्ति की सहभागिता रही.

जनजागरण अभियान चलाया

इस दौरान संस्था जीवन प्रवाह द्वारा राजबाड़ा स्थित अहिल्या प्रतिमा परिसर में जनजागरण अभियान चलाया गया। 卐एक तुलसी, दो पेड़卐 अभियान के अंतर्गत तुलसी के पौधे वितरित किए गए। साथ ही पक्षियों के संरक्षण के लिए दाना पैकेट और प्लास्टिक के बहिष्कार का संदेश देते हुए कपड़े की थैलियां भी बांटी गईं। अभियान के तहत कुल 1100 किट वितरित की गईं।